



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 399] नई दिल्ली, बुधवार, नवम्बर 6, 1991/कार्तिक 15, 1913  
No. 399] NEW DELHI, WEDNESDAY, NOVEMBER 6, 1991/KARTIKA 15, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल भूतल परिवहन मंत्रालय  
(पत्तन पक्ष)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 नवम्बर, 1991

सा. का. नि. 865(अ) :—केन्द्र सरकार, महा पत्तन  
न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132  
की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा  
(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तूत्तुक्कुड़ि  
पत्तन के न्यासी मंडल द्वारा बनाए गए और इस अधिसूचना  
के साथ संलग्न अनुसूची में तूत्तुक्कुड़ि पत्तन न्यास कर्मचारी  
(अस्थायी सेवा) तीसरा संशोधन विनियम, 1991 का अनु-  
मोदन करती है।

2. उक्त विनियम इस अधिसूचना के सरकारी राजपत्र में  
प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

[सं. पी.आर.—12012/13/91-पीई. I]  
अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

अनुसूची

तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) तीसरा संशोधन  
विनियम, 1991

महापत्तन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की  
धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तूत्तुक्कुड़ि  
पत्तन के न्यासी मंडल, तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी  
सेवा) विनियम, 1979 (भारत का राजपत्र असाधारण  
सा. का. नि. 99(ड), दिनांक 1 मार्च, 1979 में प्रकाशित  
को आगे संशोधन करने हेतु निम्नलिखित विनियम बनाते हैं  
अर्थात् :—

- (1) ये विनियम तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी  
सेवा) तीसरा संशोधन विनियम, 1991 कहे  
जायेंगे।
- (2) तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा)  
विनियम 1979 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त

विनियम कहा गया है) में विनियम 2 के खंड (III) और IV को निकाल दिया जाना चाहिए।

(3) उक्त विनियम के विनियम 3 और 4 को निकाल दिया जाना चाहिए।

(4) उक्त विनियम के विनियम 5 में\*

(I) शीर्षक को “अस्थायी कर्मचारियों की सेवाओं की समाप्ति” के रूप में प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

(i) शीर्षक को “अस्थायी कर्मचारियों की सेवाओं की समाप्ति” के रूप में प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए।

(ii) उप विनियम (1) के खंड (क) में जो स्थायीवत् सेवा में नहीं है शब्दों को निकाल दिया जाना चाहिए।

(5) उक्त विनियम के विनियम 6 में, “जो स्थायीवत् सेवा में नहीं है” शब्दों को निकाल दिया जाना चाहिए।

(6) उक्त विनियम के विनियम 7 और 8 को निकाल दिया जाना चाहिए।

(7) उक्त विनियम के विनियम 9 में

(I) उप विनियम (1) के खंड (ख) में

(i) बशर्ते कि ऐसे कर्मचारी द्वारा की गयी सेवा को, उसे नियुक्त करने वाले सक्षम प्राधिकारी ने समाधान प्रद सेवा माना है” जैसे शब्दों को निकाल दिया जाना चाहिए।

(ii) पहला और दूसरा परंतुक को निकाल दिया जाना चाहिए।

(iii) तीसरे परंतुक में आने वाले “भी” शब्द को निकाल दिया जाना चाहिए।

(II) निम्नलिखित को खंड (1-ख) के रूप में जोड़ा जाए अर्थात् :—

“(1-ख) अस्थायी कर्मचारियों के मामले में, जो अधिवाषिता की आयु प्राप्त करने के बाद सेवा मुक्त होते हैं, या कम से कम बस साल की अस्थायी सेवा करने के बाद उपयुक्त चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे सेवा करने के लिए स्थायी रूप से अयोग्य ठहराया गया था या 20 वर्ष की सेवा के बाद जिन्होंने लिखित रूप में तीन महीने की सूचना देकर स्वीकृत रूप से सेवा निवृत्त होना चाहता है, उपविनियम (क) के उपबंध लागू नहीं होना चाहिए और तृस्तुक्कुड़ि पत्तन न्यास (नियमों का अनुकूलन) विनियमों 1979 द्वारा अनुकूलित

केन्द्रीय सिविल सर्विसेस (पेंशन) नियम, 1972 के अनुसरण में :—

(i) उसतरह के कर्मचारी अधिवाषिता के अनुदान के योग्य होंगे, अमान्य या सेवा निवृत्त पेंशन जैसे भी मामला हो, और सेवा निवृत्त उपदान और

(ii) सेवा निवृत्त होने के बाद उनकी मृत्यु होने के उपलक्ष्य में, उनके परिवार के सदस्य परिवार पेंशन के अनुदान के योग्य होना चाहिए।

(iii) उप विनियम (2) और उसके अंदर के परंतुक के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए अर्थात् :—

(2) सेवा में रहते वक्त अस्थायी कर्मचारी की मृत्यु के उपलक्ष्य में उनके परिवार, परिवार पेंशन और मृत्यु उपदान के लिए, उसी वेतनमान में और उसी उपबंध के अधीन हकदार होंगे, जो, स्थायी कर्मचारी, के लिए तृस्तुक्कुड़ि पत्तन न्यास (नियमों का अनुकूलन) विनियम, 1979 द्वारा अनुकूलित केन्द्रीय सिविल सर्विसेस (पेंशन) नियम, 1972, लागू हैं।

(4) उप विनियम (3) में निम्नलिखित परंतुक जोड़ा जाए अर्थात् :—

“परंतुक कि, अस्थायी कर्मचारी को, जिन्होंने, पूर्व अनुमति से निगम के अंदर या सरकार द्वारा पूर्ण रूप से या सत्त्वः स्वामित्व या नियंत्रित निगम में या सरकार द्वारा वित्त व्यवस्था प्राप्त और नियंत्रित निकाय में नियुक्ति प्राप्त कर लेता है तो, उनके द्वारा बोर्ड के अधीन की गयी सेवा के लिए, संदर्भ में, उपविनियम (1) के अंदर निर्धारित दरों के अनुसार टर्मिनल उपदान की अदायगी दी जानी चाहिए।”

“परंतु आगे, अस्थायी कर्मचारी को, जिन्होंने सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से केन्द्रीय स्वायत्त निकाय के अंदर समाविष्ट हो गये हैं, स्वायत्त निकाय के अंदर पेंशन के उद्देश्य के लिए बोर्ड के अंदर उनके द्वारा की गयी सेवा की गणना करने के लिए, विकल्प दिया जाना चाहिए, जब कि उक्त निकाय में, पहले परंतुक के अधीन टर्मिनल उपदान की वापसी लेने की जगह पेंशन योजना लागू है।”

स्पष्टीकरण :

इस उपविनियम के प्रयोजन के लिए—

(1) केन्द्रीय स्वायत्त निकाय से, जो निकाय केन्द्रीय सरकार के अनुदान या उपकर से पूर्ण रूप से या

तत्त्वतः प्रबंधना, और आर्थिक सहायता प्राप्त करता है और केन्द्रीय विधिक निकाय या केन्द्रीय विश्व विद्यालय सम्मिलित है, लेकिन पब्लिक एन्टर प्राइजेस के ब्यूरो के सीमा के अंदर आने वाले सार्वजनिक उपक्रम सम्मिलित नहीं है, अभिप्रेत है,

(2) तत्त्वतः आर्थिक सहायता प्राप्त से केन्द्रीय सरकार अनुदान या उत्पन्न से 50% से ज्यादा का व्यय उमावोजन हो जाना अभिप्रेत है।

(5) उप विनियम (6) के लिए निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाए। इस विनियम के प्रयोग के लिए :—

(क) उपदान को कर्मचारी के उस वेतन के आधार पर गणना किया जाना चाहिए, जो वे सेवा निवृत्त होने के तुरंत पहले या उनकी मृत्यु के दिनांक पर प्राप्त करने थे।

(ख) वेतन से, नूल नियम 9(21) (क) (1) में परिभाषितानुसार अभिप्रेत है।

(ग) अगर संबंधित कर्मचारी द्वारा असाधारण छुट्टी ली गयी हो तो उसे संपूर्ण सेवा के परिकल्पन हेतु उस आधार पर ध्यान में ली जानी चाहिए जैसे तूत्तुक्कुड़ि पत्तन न्याम (नियमों का अनुकूलन) विनियम, 1979 द्वारा अनुकूलित केन्द्रीय सिविल सर्विसिंग पेन्शन नियम 1972 के नियम 21 के अधीन पेन्शन तथा सेवा निवृत्ति उपादान/मृत्यु उपादान की गणना का जाता है, और

(घ) अर्जित छुट्टी के दौरान ली जाने वाली वेतन वृद्धि, जो 120 दिन से अधिक हो या पहले की 120 अर्जित छुट्टी के दिनों के दौरान, जो 120 दिन से अधिक हो, और सेवा निवृत्त होने के दिन खत्म हो जाने वाली हो, वास्तविक रूप से प्राप्त नहीं की गयी हो, उसे टर्मिनल मृत्यु उपादान करने हेतु ध्यान में लाया जाए।

(8) विनियम 10 निकाल दिया जाए।

प्रधान विनियम :

(1) तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) विनियम, 1979, भारत का राजपत्र असाधारण दिनांक : 1 मार्च, 1979 के सा.का.नि. सं. : 99(ड) में प्रकाशित किए गए थे।

(2) तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) संशोधन विनियम, 1979, भारत का राजपत्र दिनांक : 20 सितंबर, 1980 के सा.का.नि. 968 में प्रकाशित किए गए थे।

(3) तूत्तुक्कुड़ि पत्तन कर्मचारी (अस्थायी सेवा) संशोधन विनियम, 1984, जल भूतल परिवहन मंत्रालय के अधिसूचना संख्या : पी डब्ल्यू/पी

आर--15-84, दिनांक : 22 मार्च, 1985 के सा.का.नि. 291(ड) में प्रकाशित किए गए थे।

अध्यक्ष

तूत्तुक्कुड़ि पत्तन न्याम

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 6th November, 1991

G.S.R. 665(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 124, read with sub-section (i) of section 132 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Third Amendment Regulations, 1991 made by the Board of Trustees for the Port of Tuticorin and set out in the Schedule annexed to this notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the official Gazette.

[No. PR-12012/13/91-PE.I]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

### SCHEDULE

#### TUTICORIN PORT EMPLOYEES (TEMPORARY SERVICE) THIRD AMENDMENT REGULATIONS, 1991

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Board of Trustees of the Tuticorin Port hereby makes the following Regulations further to amend the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Regulations, 1979, [published as GSR 99(E) in the Gazette of India Extraordinary, dated the 1st March, 1979] namely :—

(1) These Regulations may be called the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Third Amendment Regulations, 1991.

(2) In the Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Regulations, 1979, (hereinafter called the said Regulations) clauses (iii) and (iv) of Regulation 2, shall be deleted.

(3) Regulations 3 and 4 of the said Regulations shall be deleted.

(4) In Regulation 5 of the said Regulations

(i) the heading shall be substituted as "Termination of services of temporary employees".

(ii) in clause (a) of sub-regulation (1) the words "who is not in quasi-permanent service" shall be deleted.

(5) In Regulation 6 of the said Regulations the words "who is not in quasi-permanent service" shall be deleted.

(6) Regulations 7 and 8 of the said Regulations shall be deleted.

(7) In Regulation 9 of the said Regulations :—

(i) in clause (b) of sub-regulation (1)—

(i) the words “subject to the condition that the service rendered by the employee concerned being held by the authority competent to appoint him to be satisfactory” shall be deleted.

(ii) the first and second proviso shall be deleted.

(iii) the word “also” occurring the third proviso shall be deleted.

(ii) The following shall be added as clause (1-B) namely :—

“1-B) In the case of temporary employee who retires from service on attaining the age of superannuation or on his being declared to be permanently incapacitated for further service by the appropriate medical authority after he has rendered temporary service of not less than ten years or who has sought voluntary retirement by giving three months notice in writing on completion of 20 years, provisions of sub-regulation (1) shall not apply and in accordance with the provisions of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, adapted by the Tuticorin Port Trust (Adaptation of Rules) Regulations, 1979:—

(i) such an employee shall be eligible for the grant of superannuation, invalid or retiring pension as the case may be and retirement gratuity and

(ii) in the event of his death after retirement the members of his family shall be eligible for the grant of family pension.

(iii) For Sub-regulation (2) and the proviso thereunder the following shall be substituted namely:—

(2) In the event of the death of a temporary employee while in service, his family shall be eligible for family pension and death gratuity at the same scale and under the same provisions as are applicable to permanent employees under the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, adapted by the Tuticorin Port Trust (Adaptation of Rules) Regulations, 1979.

(iv) In sub-regulation (3) the following provisos shall be inserted namely :—

“Provided that a temporary employee who resigned from service to take up with

prior permission an appointment under a Corporation or a Company wholly or substantially owned or controlled by the Government or in or under a Body controlled or financed by Government shall be paid terminal gratuity at the date prescribed under sub-regulation (1) in respect of the service rendered by him under the Board.”

“Provided further that a temporary employee who has been absorbed in the Central Autonomous Body with the permission of the Competent authority shall have an option to count the service rendered under the Board for the purpose of pension under the autonomous body if it has a pension scheme instead of drawing the terminal gratuity under the first proviso”.

Explanation :—

For the purpose of this sub-regulation—

(i) ‘Central Autonomous body’ means a body which is financed wholly or substantially from cess or Central Government grants and includes a Central statutory body or a Central University but does not include a public undertaking falling under the purview of the Bureau of Public Enterprises.

(ii) ‘financed substantially’ means that more than 50 per cent of the expenditure is met by Cess or Central Government grants.

(v) for Sub-regulation (6) the following shall be substituted—

“For the purpose of this Regulation :—

(a) gratuity shall be calculated on the basis of pay which the employee was receiving immediately before the retirement or on the date of his death.

(b) pay shall mean pay as defined in Fundamental Rule 9(21)(a)(i)

(c) Period of extraordinary leave if any availed of by the employee concerned shall be taken into account for computing the completed service on the same basis as it is taken into account for the purpose of calculation of pension and retirement gratuity/death gratuity under Rule-21 of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, adapted by the Tuticorin Port Trust (Adaptation of Rules) Regulations, 1979 and

(d) an increment earned during the currency of earned leave not exceeding 120 days or during the first 120 days of earned leave exceeding 120 days expiring on the date of retirement though not actually drawn shall form part of the pay for purpose of calculating terminal death gratuity.

(8) Regulation 10 shall be deleted.

published in GSR 968 of the Gazette of India, dated the 20th September, 1980.

**Principal Regulations :**

(i) The Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Regulations, 1979, were published vide GSR No. 99(E) of the Gazette of India Extraordinary, dated the 1st March, 1979.

(iii) The Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Amendment Regulations, 1984, published in GSR 291 E vide Ministry of Shipping and Transport's Notification No. PW/PER-15-84, dated the 22nd March, 1985.

(ii) The Tuticorin Port Employees (Temporary Service) Amendment Regulations, 1979,

**CHAIRMAN  
TUTICORIN PORT TRUST.**

